हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल (केंद्रीय) विश्वविद्यालय

श्रीनगर गढ़वाल, उत्तराखंड–246174

प्रो0 गुड्डी बिष्ट
संयोजक एवं अध्यक्ष,हिन्दी विभाग
हे0न0ब0ग0 केन्द्रीय वि0 वि0 श्रीनगर (ग0)

कला, संचार एवं भाषा संकाय

पाठ्यक्रम

हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा–विभाग

(राष्ट्रीय शिक्षा नीति : 2020 के अनुरूप)

बी॰ए॰ सप्तम एवं अष्टम सेमेस्टर

(Honours)

(सत्र 2022–23, 2023–24, 2024–25 हेतु)

Amit Sharma   Rohit Kumar.

29/8/2025

प्रो. गुड्डी बिष्ट पंवार,
संयोजक एवं विभागाध्यक्षा – हिन्दी विभाग
हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल (केंद्रीय) विश्वविद्यालय,
श्रीनगर गढ़वाल, उत्तराखंड–246174

बी॰ए॰ सप्तम सेमेस्टर (Honours)

क्र.सं.	प्रश्नपत्र का नाम		कोड	क्रेडिट
1	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा (Core Major-I)		BA701	05
2	भारतीय काव्यशास्त्र (Core Major-II)		BA702	05
3	आधुनिक काव्य (Core Major-III)		BA703	05
4	i दृश्य, श्रव्य, माध्यम लेखन (MOOCs) (विकल्प-1)	(Core Major Elective-I)	BA704(i)	04
	ii हिंदी सिनेमा : व्यावसायिक संदर्भ (विकल्प-2)		BA704(ii)	
	iii हिंदी का व्यावहारिक व्याकरण शास्त्र (विकल्प-3)		BA704(iii)	
5	शोध–प्रविधि (Research Methodology)		BA705	05
6	साहित्य और समाज (Minor-I)		BA706	04
			कुल क्रेडिट	28

बी॰ए॰ अष्टम सेमेस्टर (Honours)

क्र.सं.	प्रश्नपत्र का नाम		कोड	क्रेडिट
1	हिंदी गद्य की विविध विधाएं (Core Major-I)		BA801	05
2	पाश्चात्य काव्यशास्त्र (Core Major-II)		BA802	05
3	लोक साहित्य (Core Major-III)		BA803	05
4	i अनुवाद विज्ञान (विकल्प-1)	(Core Major Elective-II)	BA804(i)	04
	ii विभाजन विभीषिका और हिंदी साहित्य (विकल्प-2)		BA804(ii)	
	iii हिंदी भाषा एवं संप्रेषण (MOOCs) (विकल्प-3)		BA804(iii)	
5	परियोजना कार्य (Project Work/Academic Project)		BA805	05
6	हिंदी साहित्य की वैचारिकी (Minor-II)		BA806	04
			कुल क्रेडिट	28

बी॰ए॰ सप्तम सेमेस्टर (Honours)

प्रश्नपत्र - भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा (BA701)

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 05

इकाई-1

- भाषा विज्ञान : स्वरूप एवं क्षेत्र।
- भाषा विज्ञान के अध्ययन की पद्धतियां।
- भाषा विज्ञान की विविध शाखाएं।
- भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध।

इकाई-2

- हिंदी की ध्वनियां– स्वर और व्यंजन।
- हिंदी शब्द संपदा।
- हिंदी की शब्द कोटियां– संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया–विशेषण।
- हिंदी की कारकीय व्यवस्था।
- हिंदी भाषा के क्रिया रूपों का सामान्य परिचय।

इकाई-3

हिंदी भाषा–संरचना

- ध्वनि–संरचना।
- शब्द–संरचना।
- रूप–संरचना।
- वाक्य–संरचना।

इकाई-4

भाषा के संवर्द्धन में कृत्रिम बुद्धिमता की उपयोगिता

- कृत्रिम बुद्धिमता और भाषा का संबंध।
- व्याकरणिक रूप से कृत्रिम बुद्धिमता की स्वीकारोक्ति।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 में हिंदी भाषा और कृत्रिम बुद्धिमता के प्रगामी प्रयोग।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा।
2. हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास : उदयनारायण तिवारी।
3. हिंदी भाषा : भोलानाथ तिवारी।
4. आधुनिक हिंदी के विविध आयाम : प्रो॰ कृष्ण कुमार गोस्वामी।
5. हिंदी का सामाजिक संदर्भ : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव।
6. भाषा और भाषा विज्ञान : नरेश मिश्र।
7. भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी।
8. नवीन भाषा विज्ञान : तिलक सिंह।
9. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र : कपिलदेव शास्त्री।
10. भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा।
11. भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेंद्र नाथ शर्मा।

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

Course Outcomes

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

1. इस पाठ्यक्रम से छात्र–छात्राएं भाषा एवं भाषा विज्ञान के स्वरूप, उसकी विविध शाखाओं और हिंदी भाषा की ध्वनियों, शब्द–संपदा व क्रिया–प्रणाली से संबंधित गहन आधारभूत ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं।
2. छात्र–छात्राएं रूप, ध्वनि, शब्द, वाक्य–संरचना एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित भाषा उपयोग जैसे तकनीकी पक्षों को व्यावहारिक रूप से समझने और प्रयोग करने की क्षमता अर्जित कर सकते हैं। बहुभाषिकता जैसे संदर्भों में भाषा का व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक पक्ष उजागर होने से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर भाषा की विविध शाखाओं का विवेचन एवं कार्यान्वयन किया जाएगा।
3. छात्र–छात्राएं हिंदी भाषा की संरचना और व्याकरणिक नियमों का उपयोग करके व्यावहारिक भाषा विश्लेषण एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अनुप्रयोग को व्यवहार में लाने में सक्षम होते हैं। विश्लेषणात्मक पद्धति द्वारा भाषा का विवेचन करने से उसके प्रति जिज्ञासा की समझ विकसित होगी तथा उसका विवेचन भाषा को सीखने में काम आएगा, जिससे वे प्रभावी रूप में अपनी बात लिखित व मौखिक रूप में व्यक्त करना सीखेंगे।
4. छात्र–छात्राएं हिंदी भाषा के अध्ययन के माध्यम से भाषाई विविधता, भारतीय भाषाई चेतना और समावेशी समाज की ओर नैतिक व मानवीय दृष्टिकोण विकसित करेंगे।
5. छात्र–छात्राएं भाषा विज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के समन्वय से भाषा संसाधन, अनुवाद, शिक्षण तथा तकनीकी लेखन जैसे क्षेत्रों में रोजगार व स्वरोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

बी॰ए॰ सप्तम सेमेस्टर (Honours)

प्रश्नपत्र - भारतीय काव्यशास्त्र (BA702)

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 05

इकाई-1

- काव्य का स्वरूप।
- काव्य–लक्षण, काव्य के तत्व।
- काव्य–प्रयोजन, काव्य–हेतु एवं काव्य–सृजन की प्रक्रिया।
- काव्य की आत्मा।

इकाई-2

- रस की परिभाषा, रस के अवयव एवं प्रकार।
- रस–निष्पत्ति एवं रस–सूत्र की व्याख्या।
- रसानुभूति की प्रक्रिया एवं स्वरूप।
- साधारणीकरण एवं सहृदय की स्थिति।

इकाई-3

- अलंकार सिद्धांत–मूल स्थापनाएं।
- अलंकारों का वर्गीकरण।
- रीति–सिद्धांत।
- रीति– अर्थ, परिभाषा और स्वरूप।
- रीति के भेद।
- रीति और शैली का काव्यात्मा से संबंध।

इकाई-4

- ध्वनि–सिद्धांत।
- ध्वनि– अर्थ, लक्षण और स्वरूप।
- काव्यात्मा के रूप में ध्वनि।
- ध्वनि तथा रस–सिद्धांत का संबंध।

संदर्भ ग्रंथ

1. रस–मीमांसा : आचार्य रामचंद्र शुक्ल।
2. रस–सिद्धांत : डॉ॰ नगेंद्र।
3. भारतीय काव्यशास्त्र : भगीरथ मिश्र।
4. रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ॰ नगेंद्र।
5. भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज : राममूर्ति त्रिपाठी।
6. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ॰ हरीश चंद्र वर्मा।
7. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका : डॉ॰ नगेंद्र।
8. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका : पंडित बलदेव उपाध्याय।
9. ध्वनि–सिद्धांत और हिंदी के प्रमुख आचार्य : त्रिभुवन राय।
10. साहित्य का स्वरूप : नित्यानंद तिवारी।
11. साहित्य सहचर : हजारी प्रसाद द्विवेदी।
12. साधारणीकरण और काव्यास्वाद : राजेंद्र गौतम।

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

Course Outcomes

भारतीय काव्यशास्त्र

1. इस प्रश्नपत्र में भारतीय आलोक में काव्य की विभिन्न धाराओं को स्पष्ट करते हुए भारतीय काव्यशास्त्रियों द्वारा प्रदत्त सिद्धांतों के आधार पर छात्र–छात्राओं को काव्य, रस, अलंकार, रीति, वक्रोक्ति ध्वनि और औचित्य जैसे काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का शास्त्रीय एवं वैचारिक ज्ञान प्रदान किया जाता है, जिससे उनके अंदर साहित्य की समझ पैदा हो और वे विभिन्न विधाओं के संदर्भ में सैद्धांतिक संदर्भों को समझ सके।
2. छात्र–छात्राएं काव्य के विभिन्न घटकों की पहचान कर, उनका साहित्यिक विश्लेषण करने तथा सृजनात्मक अभिव्यक्ति में प्रयोग करने का कौशल अर्जित करते हैं।
3. छात्र–छात्राएं रस, अलंकार, ध्वनि और रीति की अवधारणाओं को विश्लेषणात्मक ढंग से काव्य–रचना और व्याख्या में लागू कर सकते हैं।
4. छात्र–छात्राएं काव्य की आत्मा, रसानुभूति, सहृदयता और साधारणीकरण जैसी अवधारणाओं के माध्यम से आलोचनात्मक दृष्टि और सौंदर्यात्मक संवेदनशीलता का विकास करते हैं।
5. छात्र–छात्राएं काव्य के माध्यम से मानवीय संवेदनाएं, नैतिक मूल्यों और सामाजिक सरोकारों की पहचान करते हैं और साहित्य के नैतिक पक्ष से जुड़ते हैं।
6. छात्र–छात्राएं काव्यशास्त्रीय ज्ञान का उपयोग शिक्षण, शोध, आलोचना, लेखन और साहित्य संपादन जैसे पेशेवर क्षेत्रों में करने के लिए तैयार होते हैं।

बी॰ए॰ सप्तम सेमेस्टर (Honours)

प्रश्नपत्र - आधुनिक काव्य (BA703)

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 05

इकाई-1

- मैथिलीशरण गुप्त – साकेत का नवम् सर्ग।
- माखनलाल चतुर्वेदी – पुष्प की अभिलाषा।

इकाई-2

- जयशंकर प्रसाद – आनंद सर्ग।
- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' – कुकुरमुत्ता।

इकाई-3

- नागार्जुन – गाँधी।
- अज्ञेय – नदी के द्वीप।

इकाई-4

- मुक्तिबोध – ब्रह्म राक्षस।
- राजेश जोशी – चाँद की वर्तनी।

संदर्भ ग्रंथ

1. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां – नामवर सिंह।
2. नई कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा।
3. समकालीन हिंदी कविता – परमानंद श्रीवास्तव।
4. कविता के नए प्रतिमान – नामवर सिंह।
5. आधुनिक हिंदी काव्य – डॉ॰ सत्यनारायण सिंह।
6. आधुनिक हिंदी कविता – डॉ॰ हरदयाल।

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

Course Outcomes

आधुनिक काव्य

1. कविता के सामाजिक, राजनीतिक और दार्शनिक पक्षों का आलोचनात्मक मूल्यांकन।
2. आधुनिक हिंदी कविता को भारतीय और वैश्विक साहित्यिक संदर्भों में रखने की दृष्टि विकसित होगी।
3. शोध की दृष्टि से कविता में निहित विमर्शों जैसे– स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, राष्ट्रीय चेतना और पर्यावरणीय चेतना को पहचान सकेंगे।
4. छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता आदि आंदोलनों की विशेषताओं का विश्लेषण कर सकेंगे।

बी॰ए॰ सप्तम सेमेस्टर (Honours)

प्रश्नपत्र - दृश्य, श्रव्य, माध्यम लेखन (MOOCs) (BA704(i))

पूर्णांक – 100 (70+30)

क्रेडिट – 04

सप्ताह संख्या	मॉड्यूल संख्या	मॉड्यूल शीर्षक	सप्ताह संख्या	मॉड्यूल संख्या	मॉड्यूल शीर्षक
सप्ताह 01	1	दृश्य–श्रव्य संचार माध्यमों के लेखन का परिचय और इसके प्रमुख प्रकार	सप्ताह 07	21	सामुदायिक रेडियो पर शैक्षिक व सामाजिक सरोकार संबंधी विषयों का लेखन
	2	दृश्य–श्रव्य संचार माध्यमों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि		22	एफ. एम. प्रसारण के लिए लेखन
	3	रेडियो लेखन : व्याकरण एवं भाषाई प्रयोग		23	रेडियो विज्ञापन लेखन
सप्ताह 02	4	दृश्य माध्यमों की भाषा		24	रेडियो कमेंट्री
	5	भारत में सिनेमा : एक सदी का सफर	सप्ताह 08	25	जनसंचार माध्यमों में क्षेत्रीय भाषाओं में लेखन
	6	माध्यमों की बदलती भाषा		26	टेलीविजन–लेखन : एक परिचय
सप्ताह 03	7	मानक उच्चारण		27	टेलीविजन समाचार
	8	भाषा का वैयक्तिकरण		28	टेलीविजन साक्षात्कार
	9	तान–अनुतान की समस्या	सप्ताह 09	29	टेलीविजन चर्चा एवं परिचर्चा
सप्ताह 04	10	ध्वनि प्रभाव और निःशब्दता		30	शैक्षिक टेलीविजन का लेखन
	11	दृश्य–श्रव्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति		31	टेलीविजन धारावाहिक
	12	आंगिक और वाचिक अभिव्यक्ति	सप्ताह 10	32	वृत्तचित्र लेखन
	13	रचनात्मक लेखन		33	डिजिटल मीडिया स्टोरी टेलिंग
सप्ताह 05	14	रेडियो एकरिंग		34	सिनेमाई भाषा : एक परिचय
	15	रेडियो समाचार लेखन	सप्ताह 11	35	सिनेमा की कथा संरचना
	16	रेडियो वार्ता		36	पटकथा लेखन
	17	रेडियो साक्षात्कार		37	सिनेमा में संवादों का लेखन
सप्ताह 06	18	रेडियो परिचर्चा	सप्ताह 12	38	हिंदी फिल्मों में संवादों की अभिव्यक्ति
	19	रेडियो रूपक		39	फिल्म–समीक्षा लेखन
	20	रेडियो नाटक के लिए संवाद लेखन		40	प्रमुख फिल्मों की समीक्षा : हिंदी सिनेमा की भाषा और संवेदना के आधार पर

पाठ्यक्रम लिंक https://onlinecourses.swayam2.ac.in/cec25_lg06/preview

संदर्भ सूची

1. मीडिया लेखन–कला, प्रो॰ सूर्य प्रसाद दीक्षित व डॉ॰ पवन अग्रवाल, न्यू रॉयल बुक कंपनी, लखनऊ, 2001
2. नए जन–संचार माध्यम और हिंदी, सुधीश पचौरी व अचला शर्मा, राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली, 2008
3. जनसंचार माध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य, जवरीमल्ल पारख, ग्रंथशिल्पी प्रकाशन, दिल्ली, 2000
4. मीडिया और हिंदी : बदलती प्रवृतियाँ, रवीन्द्र जाधव व केशव मोरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
5. संचार माध्यम लेखन, गौरीशंकर रैणा, वाणी प्रकाशन, पटना, 2014
6. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, संजीव भानावत, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर, 2018
7. रेडियो वार्ताशिल्प, डॉ॰ सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, 2019
8. टेलीविजन की कहानी, श्याम कश्यप व मुकेश कुमार, राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली, 2008
9. पटकथा कैसे लिखें, राजेंद्र पांडेय, वाणी प्रकाशन, पटना, 2015
10. पटकथा लेखन एक परिचय, मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली, 2000

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

बी॰ए॰ सप्तम सेमेस्टर (Honours)

प्रश्नपत्र - हिंदी सिनेमा : व्यावसायिक संदर्भ (BA704(ii))

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 04

इकाई-1

हिंदी सिनेमा : सामान्य परिचय

- हिंदी सिनेमा का स्वरूप।
- हिंदी सिनेमा का ऐतिहासिक विकास : मूक फिल्मों से आधुनिक सिनेमा तक। (मूक सिनेमा, सवाक सिनेमा, रंगीन सिनेमा, ओटीटी सिनेमा)
- विषय–वस्तु के आधार पर सिनेमा के प्रमुख प्रकार– व्यावसायिक सिनेमा, कला सिनेमा, डॉक्यूमेंट्री सिनेमा, बायोपिक सिनेमा, ऐतिहासिक सिनेमा।

इकाई-2

हिंदी सिनेमा के व्यावसायिक क्षेत्र

- फिल्म पटकथा लेखन, संवाद लेखन, धारावाहिक संवाद लेखन, गीत लेखन।
- फिल्म समीक्षा और आलोचना, वॉयस ओवर, अनुवाद और डबिंग उद्योग का विकास।
- साहित्यिक कृतियों को फिल्मों और वेब सीरीज़ में रूपांतरित करने का कार्य।

इकाई-3

हिंदी सिनेमा का बदलता स्वरूप

- स्वतंत्रतापूर्व हिंदी सिनेमा विशय और दृश्टिकोण।
- स्वतंत्रतापूर्व हिंदी सिनेमा में मूल्यबोध।
- स्वातंत्र्योत्तर हिंदी सिनेमा : समकालीन विशय और दृश्टिकोण।
- स्वतंत्रयोत्तर हिंदी सिनेमा में मूल्यबोध।

इकाई-4

प्रमुख फिल्मों का (सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक आदि) दृश्टिगत अध्ययन

- मदर इंडिया, देवदास, वीरजारा, पीपली लाइव, थ्री इडियट, आरक्षण।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी सिनेमा का सौ साल– रविकांत और तीजनकर।
2. भारतीय सिनेमा का इतिहास– गौतम कौशल।
3. फिल्म स्क्रिप्ट लेखन और पटकथा संरचना– सत्यजीत राय।
4. बॉलीवुड डायलॉग्स– इंपैक्ट ऑन सोसाइटी एंड लैंग्वेज– अनंत विजय।
5. गीतकारों की दुनिया– हिंदी सिनेमा के गीत और उनके रचनाकार– यतींद्र मिश्र।
6. सिनेमा और समाज– शंभुनाथ।
7. सिनेमा के रूपांतरण : साहित्य से सिनेमा तक– डॉ॰ अजय तिवारी।
8. सिनेमा के समाजशास्त्रीय अध्ययन– अरविंद राजगोपाल।
9. पॉलिटिक्स थ्रु सिनेमा स्टडी ऑफ हिंदी फिल्म्स– मृणाल पांडे।
10. बॉलीवुड नेशन, भारत में फिल्म और संस्कृति– विक्रम भट्ट।

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

Course Outcomes

हिंदी सिनेमा : व्यावसायिक संदर्भ

1. इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी हिंदी सिनेमा के इतिहास, विकासक्रम (मूक सिनेमा से ओटीटी तक) तथा उसके विभिन्न रूपों का तथ्यात्मक, वैचारिक और प्रक्रियात्मक ज्ञान प्राप्त करेंगे।
2. विद्यार्थी पटकथा लेखन, संवाद लेखन, गीत लेखन, वॉयस ओवर, अनुवाद, डबिंग जैसे सिनेमा उद्योग के तकनीकी पक्षों से परिचित होंगे।
3. विद्यार्थियों को फिल्म समीक्षा और आलोचना की तकनीकी दृष्टि भी प्रदान करता है।
4. विद्यार्थी हिंदी सिनेमा के बदलते स्वरूप (स्वतंत्रतापूर्व और स्वतंत्रोत्तर) का समकालीन दृष्टिकोण से मूल्यांकन कर सकेंगे।
5. विद्यार्थी प्रमुख फिल्मों का सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक दृष्टि से विश्लेषणात्मक अध्ययन करना सीखेंगे।
6. प्रमुख फिल्मों के माध्यम से छात्र समाज में नैतिक मूल्यों, संविधानिक सरोकारों, मानवीय भावनाओं और सामाजिक असमानताओं की समझ विकसित होगी।
7. 'मदर इंडिया', 'पीपली लाइव', 'आरक्षण' जैसी फिल्मों के अध्ययन से वे समाज के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाना सीखेंगे।
8. यह पाठयक्रम फिल्म लेखन, समीक्षा, अनुवाद, डबिंग और मीडिया कंटेंट निर्माण जैसे क्षेत्रों के लिए आवश्यक कौशल विकसित करता है।

बी॰ए॰ सप्तम सेमेस्टर (Honours)

प्रश्नपत्र - हिंदी का व्यावहारिक व्याकरण शास्त्र (BA704(iii))

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 04

इकाई-1

भाषा और व्याकरण

- भाषा की परिभाषा और विशेषताएं।
- व्याकरण और भाषा का अंतःसंबंध।
- ध्वनि, वर्ण एवं मात्राएं।

इकाई-2

शब्द परिचय

- स्रोत के आधार पर शब्दों के भेद– तत्सम, तद्भव, देशज एवं विदेशी।
- शब्दों की व्याकरणिक कोटियां– संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया।
- शब्दगत अशुद्धियां तथा उपसर्ग एवं प्रत्यय।

इकाई-3

व्याकरण–व्यवहार

- लिंग, वचन, कारक, संधि तथा समास।
- अपठित गद्यांश।
- मुहावरे एवं लोकोक्तियां।

इकाई-4

वाक्य परिचय

- वाक्य के अंग।
- वाक्य के भेद।
- वाक्य अशुद्धियां एवं विराम चिह्न।

संदर्भ ग्रंथ

1. व्यावहारिक हिंदी : संरचना और अभ्यास– बालगोविंद मिश्र।
2. आधुनिक हिंदी व्याकरण : स्वरूप एवं प्रयोग– भारती खुबालकर।
3. हिंदी व्याकरण के नवीन क्षितिज– रवींद्र कुमार पाठक।
4. हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास– उदयनारायण तिवारी।
5. हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम– रवींद्रनाथ श्रीवास्तव।
6. हिंदी व्याकरण– कामता प्रसाद गुरु।
7. हिंदी भाषा की संरचना– भोलानाथ तिवारी।
8. हिंदी शब्दानुशासन– किशोरीलाल वाजपेयी।
9. हिंदी व्याकरण– कामता प्रसाद गुप्ता।
10. भारतीय पुरालिपि– राजबली पांडेय।

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

Course Outcomes

हिंदी का व्यावहारिक व्याकरण शास्त्र

1. विद्यार्थी भाषा की परिभाषा, व्याकरण और विशेषताओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेगा।
2. विद्यार्थी शब्द के विभिन्न स्वरूपों (तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज आदि) का विवेचन कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी व्याकरणिक इकाईयों संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, लिंग, वचन, कारक आदि की पहचान व विश्लेषण करने में दक्ष होंगे।
4. विद्यार्थी वाक्य रचना, वाक्य के प्रकार आदि का विश्लेषण एवं प्रभावी लेखन कौशल विकसित करेंगे।
5. यह पाठ्यक्रम भाषिक क्षमताओं से जुड़े रोजगार की ओर अग्रसर करेगा।

बी॰ए॰ सप्तम सेमेस्टर (Honours)

प्रश्नपत्र - शोध–प्रविधि (BA705)

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 05

इकाई-1

i. शोध का अर्थ, स्वरूप
ii शोध के प्रकार
iii हिंदी शोध का इतिहास एवं पूर्वपीठिका

इकाई-2

i. शोध के मूल तत्व
ii साहित्यिक शोध की विशेषताएं
iii हिंदी शोध की वर्तमान स्थिति

इकाई-3

i. शोध कार्य का विभाजन
ii रूपरेखा, प्रस्तावना, भूमिका, लेखन
iii अनुक्रमणिका

इकाई-4

i. शोध विषय चयन
ii शोध संबंधी समस्याएं
iii एक अच्छे शोधार्थी के गुण
iv साहित्यिक शोध और समाजशास्त्रीय पद्धति

इकाई-5

i. शोध और तथ्य विश्लेषण
ii शोध और वैज्ञानिक प्रणाली
iii शोध प्रबंध का प्रस्तुतीकरण

संदर्भ ग्रंथ

1. शोध प्रविधि – डॉ॰ विनय मोहन।
2. अनुसंधान का स्वरूप – डॉ॰ सावित्री सिन्हा।
3. हिंदी शोध तंत्र की रूपरेखा – डॉ॰ मनमोहन सहगल।
4. अनुसंधान की प्रक्रिया – डॉ॰ सावित्री सिन्हा/विजयेंद्र स्नातक।
5. साहित्य के समाज की भूमिका – मैनेजर पांडेय।

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

Course Outcomes

शोध–प्रविधि

1. शोधकर्ता साहित्यिक ज्ञान को संकलित करते हुए शोध के लिए एक ठोस नींव बनाने का प्रयास करेगा। साथ ही अपने शोध विषय से संबंधित मौलिक तथ्यों और जानकारी को संकलित करने का प्रयास करेगा।
2. शोधकर्ता साहित्यिक सामग्री को समझते हुए शोध उद्देश्य को समझने का प्रयास करेगा।
3. शोधकर्ता अपने संग्रहित ज्ञान को वास्तविक शोध प्रक्रिया में लागू कर सकेगा तथा साहित्यिक सिद्धांतों, विश्लेषणात्मक उपकरणों और विचारों को व्यावहारिक तरीके से लागू करने का दृष्टिकोण विकसित कर सकेंगे।
4. शोधकर्ता साहित्यिक रचनाओं और उनके सामाजिक संदर्भ को गहरे स्तर पर विभाजित और विश्लेषित कर सकेंगे।
5. शोधकर्ता साहित्यिक कृतियों के गुण, प्रभाव और महत्व का आलोचनात्मक मूल्यांकन कर सकेंगे।
6. शोधकर्ता विभिन्न विचारों और साहित्यिक सिद्धांतों को जोड़कर एक नया निष्कर्ष या दृष्टिकोण प्रस्तुत कर सकेगा।

बी॰ए॰ सप्तम सेमेस्टर (Honours)

प्रश्नपत्र - साहित्य और समाज (BA705)

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 04

इकाई-1

- साहित्य और समाज का अंतर्संबंध।
- साहित्य की अवधारणा।
- साहित्य का समाजशास्त्र।

इकाई-2

- साहित्य की सामाजिक और ऐतिहासिक दृष्टि।
- साहित्य में सामाजिक विविधताएं।
- साहित्य और मानवीय मूल्य।

इकाई-3

- साहित्यिक रूपों का समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण।
- साहित्य में भारतीयता एवं जीवन–मूल्य।
- हिंदी साहित्य में भारतीय समाज।

इकाई-4

- हिंदी साहित्य और संस्कृति।
- हिंदी साहित्य और बदलता समाज।
- हिंदी साहित्य का सामाजिक योगदान।

संदर्भ ग्रंथ

1. भाषा और समाज – रामविलास शर्मा।
2. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका – मैनेजर पांडेय।
3. भाषा का समाजशास्त्र – राजेंद्र प्रसाद सिंह।
4. साहित्य और समाज – रामधारी सिंह दिनकर
5. दर्शन साहित्य और समाज – शिवकुमार मिश्र
6. समाज साहित्य और आलोचना – अजय तिवारी।

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

Course Outcomes

साहित्य और समाज

1. विद्यार्थी साहित्य और समाज के बीच के बुनियादी संबंध को समझते हुए साहित्य के सामाजिक संदर्भ और साहित्यकारों के समाज पर प्रभाव के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी साहित्य और समाज के सामाजिक संदर्भ और लेखक के उद्देश्य को समझते हुए यह समझने की कोशिश करेंगे कि साहित्य समाज को किस तरह प्रतिबिंबित करता है।
3. विद्यार्थी समाज में साहित्य के संदेश को लागू करने का प्रयास करेंगे एवं साहित्यिक विचारों और सिद्धांतों का व्यावहारिक अनुप्रयोग करेंगे।
4. विद्यार्थी साहित्य को सामाजिक संदर्भ में गहरे तरीके से विश्लेषित कर सकेंगे और साहित्य द्वारा समाज के विभिन्न पहलुओं को प्रभावित करने के दृष्टिकोण को विकसित कर सकेंगे।
5. विद्यार्थी साहित्य की सामाजिक उपयोगिता और लेखक के दृष्टिकोण का मूल्यांकन कर सकेंगे।
6. विद्यार्थी विभिन्न साहित्यिक विचारों और सामाजिक मुद्दों को जोड़कर नए दृष्टिकोण या समाधान का निर्माण करने में सक्षम हो सकेंगे।

बी॰ए॰ अष्टम सेमेस्टर (Honours)

प्रश्नपत्र - हिंदी गद्य की विविध विधाएं (BA801)

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 05

इकाई-1

- हिंदी गद्य विधाओं का सामान्य परिचय : कथा–साहित्य (कहानी, उपन्यास), कथेत्तर साहित्य : नाटक, एकांकी, निबंध, संस्मरण।

इकाई-2

कहानी

- नमक का दरोगा – प्रेमचंद।
- भैंस का कट्या – विद्यासागर नौटियाल।
- परिंदे – निर्मल वर्मा।

उपन्यास

- गुनाहों का देवता – धर्मवीर भारती।

इकाई-3

निबंध

- उत्साह – रामचंद्र शुक्ल।
- वाणी न्याय के मंदिर में – नगेंद्र।
- सदाचार का ताबीज – हरिशंकर परसाई।

इकाई-4

- अंधेर नगरी (नाटक) – भारतेंदु ।
- दीपदान (एकांकी) – रामकुमार वर्मा।
- गिल्लू (संस्मरण) – महादेवी वर्मा ।

संदर्भ ग्रंथ

1. प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा।
2. आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य – डॉ॰ हरदयाल।
3. प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा।
4. कहानी : नई कहानी – नामवर सिंह।
5. हिंदी रेखाचित्र – हरिवंश लाल शर्मा।

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

Course Outcomes

हिंदी गद्य की विविध विधाएं

1. विद्यार्थी हिंदी गद्य की विविध विधाओं के बारे में सामान्य जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी हिंदी गद्य की विविध विधाओं (कहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी, निबंध इत्यादि) को समझने की कोशिश कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी गद्य की विधाओं की समीक्षा एवं गहन विश्लेषण कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी हिंदी गद्य की विविध विधाओं के विभिन्न पहलुओं का मूल्यांकन करने में समर्थ हो सकेंगे।
5. विद्यार्थी विभिन्न विचारों को समझकर एक नए दृष्टिकोण द्वारा अपने विचारों को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत करने में सक्षम होंगे।

बी॰ए॰ अष्टम सेमेस्टर (Honours)

प्रश्नपत्र - पाश्चात्य काव्यशास्त्र (BA802)

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 05

इकाई-1

- प्लेटो : काव्य के प्रति दृष्टिकोण एवं काव्य–सिद्धांत।
- अरस्तू : विरेचन सिद्धांत एवं त्रासदी विवेचन।
- लौंजाइनस : उदात्त संबंधी विचार।

इकाई-2

- टी.एस. इलियट : परंपरा और वैयक्तिक प्रतिभा का संबंध, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत।
- कॉलरिज : कल्पना–सिद्धांत, काव्य–भाषा और कविता।
- मैथ्यू आर्नोल्ड : कविता और जीवन, जीवन और समाज, आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य।

इकाई-3

- आई.ए. रिचर्डस : मूल्य सिद्धांत।
- वर्ड्सवर्थ का काव्यभाषा का सिद्धांत।

इकाई-4

आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियां

- मार्क्सवाद।
- अस्तित्ववाद।
- संरचनावाद।
- शैली विज्ञान।
- उत्तर आधुनिकता।

संदर्भ ग्रंथ

1. अरस्तू का काव्यशास्त्र : डॉ॰ नगेंद्र।
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास : डॉ॰ तारकनाथ बाली।
3. नई समीक्षा के प्रतिमान : डॉ॰ निर्मला जैन।
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : देवेंद्रनाथ शर्मा।
5. पाश्चात्य साहित्य चिंतन : निर्मला जैन।
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्धांत और वाद : डॉ॰ भगीरथ मिश्र।

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

Course Outcomes

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

1. प्रथम सेमेस्टर में भारतीय काव्यशास्त्र की समझ विकसित हो जाने के उपरांत जब छात्र–छात्राएं पाश्चात्य काव्यशास्त्रियों के सिद्धांतों का अध्ययन करते हैं तो उनमें भारतीय एवं पाश्चात्य दोनों के सिद्धांतों को समझने की ज्ञान दृष्टि के साथ–साथ तुलनात्मक दृष्टि भी विकसित होती है तथा पाश्चात्य जगत के प्रसिद्ध काव्यशास्त्रियों जैसे– प्लेटो, अरस्तू, कॉलरिज, इलियट, आई.ए. रिचर्ड्स जैसे चिंतकों के काव्य सिद्धांतों द्वारा साहित्य का सैद्धांतिक एवं संवेदनात्मक पक्ष समझ आता है, जसका संपूर्ण प्रभाव उनके आचरण एवं मनोविज्ञान पर पड़ता है।
2. छात्र–छात्राएं काव्यालोचना की विविध पद्धतियों को समझते हुए उन्हें साहित्यिक पाठ के मूल्यांकन और विवेचन में लागू करने की दक्षता अर्जित करते हैं।
3. छात्र–छात्राएं आलोचना–सिद्धांतों (जैसे विरेचन, कल्पना, निर्वैयक्तिकता, उन्नयन आदि) को साहित्यिक विश्लेषण और व्याख्या में रचनात्मक रूप से प्रयोग कर सकते हैं।
4. छात्र–छात्राएं साहित्यिक दृष्टिकोणों में अंतर करना, वैकल्पिक व्याख्याएं प्रस्तुत करना तथा तर्कपूर्ण व विचारोत्तेजक शैली में अपने विचार व्यक्त करना सीखते हैं।
5. छात्र–छात्राएं आलोचनात्मक सिद्धांतों के माध्यम से साहित्य और समाज के मध्य संबंधों को समझते हुए मानवीय, नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों की पहचान करते हैं।
6. छात्र–छात्राएं आलोचना, लेखन, शिक्षण और संपादन जैसे क्षेत्रों में अपने विश्लेषणात्मक और व्याख्यात्मक कौशल के माध्यम से व्यावसायिक अवसरों के लिए तैयार होते हैं।

बी॰ए॰ अष्टम सेमेस्टर (Honours)

प्रश्नपत्र - लोक साहित्य (BA803)

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 05

इकाई-1

- लोक : अर्थ, स्वरूप एवं परिभाषा।
- लोक वार्ता और लोक विज्ञान।
- लोक संस्कृति की अवधारणा, लोक संस्कृति और लोक साहित्य।

इकाई-2

- लोक और लोक साहित्य का अंतःसंबंध।
- भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास।
- लोक साहित्य की अध्ययन प्रक्रिया एवं संकलन की समस्याएं।

इकाई-3

- लोकगीत : स्वरूप एवं महत्व।
- लोकगाथा : स्वरूप एवं महत्व।
- लोकनाट्य : अर्थ, परिभाषा, प्रभाव।

इकाई-4

- लोककथा : स्वरूप एवं महत्व।
- लोकभाषा : उत्पत्ति एवं विकास।
- लोकसंगीत : प्रमुख प्रकार।

संदर्भ ग्रंथ

1. भारतीय लोक संस्कृति का संदर्भ : मध्य हिमालय – गोविंद चातक।
2. लोक साहित्य के प्रतिमान : डॉ॰ कुंदन लाल उप्रेती।
3. लोक साहित्य : सिद्धांत और प्रयोग – डॉ॰ श्रीराम शर्मा।
4. लोक साहित्य की रूपरेखा – डॉ॰ कृष्णचंद्र शर्मा।
5. लोक साहित्य विज्ञान – डॉ॰ सतेंद्र।

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

Course Outcomes

लोक साहित्य

1. विद्यार्थी लोक साहित्य के अर्थ, स्वरूप, परिभाषा तथा प्रकार की आधारभूत जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी लोक साहित्य के विभिन्न पहलुओं को समझने में सक्षम होंगे।
3. विद्यार्थी लोक साहित्य के स्वरूप की समीक्षा व विश्लेषण कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी लोक साहित्य से जुड़ी समस्याओं का निराकरण करने का प्रयत्न करेंगे।
5. विद्यार्थी लोक साहित्य के विभिन्न पहलुओं का मूल्यांकन करने के पश्चात नए दृष्टिकोण द्वारा रचनात्मक लेखन करने हेतु सक्षम होंगे।

बी॰ए॰ अष्टम सेमेस्टर (Honours)

प्रश्नपत्र - अनुवाद विज्ञान (BA804(i))

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 04

इकाई-1 :

- अनुवाद की परिभाषा एवं प्रक्रिया।
- अनुवाद के उपकरण।
- अनुवाद के गुण एवं अनुवाद की प्रासंगिकता।

इकाई-2 :

- तत्काल भाषांतरण : स्वरूप एवं सिद्धांत।
- अनुवाद के प्रमुख प्रकार एवं भेद।
- साहित्यिक अनुवाद के विविध रूप।

इकाई-3 :

- प्रयुक्ति की अवधारणा।
- विविध प्रयुक्ति क्षेत्रों से संबंधित सामग्री के अनुवाद की समस्याएं।
- विश्व–भाषाओं का हिंदी भाषा में किया गया अनुवाद तथा हिंदी भाषा का विश्व–भाषाओं में अनुवाद।
- अनुवाद की व्यावसायिक संभावनाएं तथा प्रमुख अनुवाद प्रशिक्षण केंद्र।

इकाई-4 :

- अनुवाद व्यवहार।
- वैज्ञानिक तकनीकी शब्दावली का अनुवाद।
- मुहावरे, लोकोक्तियां, आंचलिक शब्दावली तथा व्यंजनापरक लाक्षणिक पद–प्रयोगों का अनुवाद।
- अनुवाद का संपादन, प्रविधि तथा हिंदी अनुवाद का भविष्य।

संदर्भ ग्रंथ

1. अनुवाद के सिद्धांत की रूपरेखा – सुरेश कुमार।
2. अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग – डॉ॰ नगेंद्र (संपा.)
3. अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग – जी. गोपीनाथन।
4. अनुवाद के भाषिक सिद्धांत – कैटफोर्ट, जे.सी. सिद्धांत (अनुवाद– डॉ॰ रविशंकर दीक्षित।)
5. सूचना प्रौद्योगिकी : हिंदी और अनुवाद – डॉ॰ पूरणचंद टंडन।
6. अनुवाद चिंतन के सैद्धांतिक आयाम – डॉ॰ गार्गी गुप्त।
7. कंप्यूटर अनुवाद – मीना गुप्ता।
8. अनुवाद और पारिभाषिक शब्दावली – सुरेश कुमार।
9. अनुवाद का व्याकरण – डॉ॰ गार्गी गुप्त।

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

Course Outcomes

अनुवाद विज्ञान

1. अनुवाद की मूल अवधारणा, प्रकृति, प्रक्रिया एवं उपयोगिता की जानकारी प्राप्त होगी।
2. अनुवाद के विभिन्न क्षेत्रों और उनकी आवश्यकताओं की समझ विकसित होगी।
3. अनुवाद के विभिन्न रूपों से परिचित होंगे।
4. अनुवाद को एक कौशल के रूप में आत्मसात करने में सहायता मिलेगी।

बी॰ए॰ अष्टम सेमेस्टर (Honours)

प्रश्नपत्र - विभाजन विभीषिका और हिंदी साहित्य (BA804(ii))

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 04

इकाई-1 :

भारत–विभाजन और स्वाधीनता

- भारत का प्राचीन भौगोलिक स्वरूप।
- स्वाधीनता आंदोलन : सामान्य परिचय।
- भारत–विभाजन की पृष्ठभूमि।
- भारत–विभाजन के परिणाम।

इकाई-2 :

भारत–विभाजन और हिंदी कविता

- शरणार्थी अज्ञेय (कविता : 1–5) अज्ञेय
- दे ा–विभाजन (1–3)– हरिवंश राय बच्चन

इकाई-3 :

भारत–विभाजन और हिंदी कहानी

- सिक्का बदल गया – कृष्णा सोबती।
- मलबे का मालिक – मोहन राकेश।
- पेशावर एक्सप्रेस – कृष्ण चंदर।

इकाई-4 :

भारत–विभाजन और हिंदी उपन्यास

- पिंजर – अमृता प्रीतम।

संदर्भ ग्रंथ

1. नरेंद्र सिंह सरीला : विभाजन की असली कहानी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. राम मनोहर लोहिया : भारत विभाजन के गुनहगार, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
3. रामबहादुर राय : भारतीय संविधान अनकही कहानी, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. अनिता इंदर सिंह : भारत का विभाजन, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत।
5. प्रियंवद : भारत विभाजन की अंतःकथा : पेंगुइन बुक्स इंडिया, नई दिल्ली।
6. बलबीर दत्त : भारत विभाजन और पाकिस्तान के षड्यंत्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
7. सुभाष चंद्र यादव : भारत विभाजन और हिंदी उपन्यास, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
8. नरेंद्र मोहन : विभाजन की त्रासदी भारतीय कथादृष्टि, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

Course Outcomes

विभाजन विभीषिका और हिंदी साहित्य

1. विद्यार्थियों में ऐतिहासिक और सामाजिक पृष्ठभूमि की समझ विकसित होगी।
2. विद्यार्थी विभाजन की मानवीय त्रासदी को समझेंगे और उसका मूल्यांकन कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी साहित्य को सामाजिक दस्तावेज के रूप में देख पाएंगे।
4. विद्यार्थियों में वर्तमान सामाजिक समस्याओं से जुड़ने की क्षमता विकसित होगी।

बी॰ए॰ अष्टम सेमेस्टर (Honours)

प्रश्नपत्र - हिंदी भाषा एवं संप्रेषण (MOOCs) (BA804(iii))

पूर्णांक – 100 (70+30)

क्रेडिट – 04

पाठयक्रम विवरण –

1. भाषा की परिभाषा एवं उसका स्वरूप	21. भाषा संप्रेषण का स्वरूप
2. भाषा का स्वरूप एवं विशेषताएं	22. भाषा संप्रेषण एवं श्रवण कौशल
3. भाषा के विविध रूप	23. मौखिक आत्म प्रकाशन
4. हिंदी भाषा की व्याकरणगत विशेषताएं	24. पठन कौशल
5. संज्ञा के विकारी तत्व एवं क्रिया भेद	25. लेखन कौशल
6. हिंदी भाषा की विशेषताएं : कारक एवं विभक्ति	26. वाक्य रचना
7. भाषा की विशेषताएं : अन्विति एवं पदक्रम	27. वाक्य के भेद
8. हिंदी भाषा की अव्यय संबंधी विशेषताएं	28. वाक्य भेद एवं वाक्य रूपांतरण संबंधी अशुद्धियां
9. हिंदी भाषा एवं लिपि	29. विराम चिन्ह
10. हिंदी ध्वनि समूह तथा वर्णमाला का इतिहास	30. भावार्थ एवं व्याख्या
11. हिंदी वर्णमाला : स्वर एवं व्यंजन	31. संक्षेपण लेखन
12. उच्चारण संबंधी भाषिक पक्ष (बलाघात, अनुतान एवं स्वराघात)	32. अनुवाद
13. हिंदी वर्तनी एवं भाषा में अनुप्रयोग	33. भाव–पल्लवन
14. हिंदी वर्तनी लेखन के नियम	34. आशय, निबंध एवं प्रतिवेदन लेखन
15. वर्तनी और उच्चारण संबंधी अशुद्धियां : कारण और निवारण	35. शब्द प्रयोग : मुहावरे एवं लोकोक्तियां
16. हिंदी भाषा एवं शब्द भेद	36. समास
17. शब्द संपदा	37. पत्र लेखन
18. संधि (अर्थ, परिभाषा एवं भेद)	38. अनौपचारिक एवं औपचारिक पत्र
19. संधि के भेद (स्वर संधि)	39. प्रशासकीय पत्र एवं सरकारी पत्र
20. व्यंजन संधि एवं विसर्ग संधि	40. सरकारी पत्र के प्रकार

पाठ्यक्रम लिंक – https://onlinecourses.swayam2.ac.in/cec25_lg01/preview

संदर्भ सूची

1. अवनीश कुमार (सं०) (2019), देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण, केंद्रीय हिंदी निदेशालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार।
2. अनंत चौधरी (1973), नागरी लिपि और हिंदी वर्तनी, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी।
3. उदय नारायण तिवारी, भाषा शास्त्र की रूपरेखा।
4. उदय नारायण तिवारी, हिंदी भाषा का उद्भव और विकास, भारती भंडार, इलाहाबाद।
5. कपिल देव द्विवेदी आचार्य, अर्थ विज्ञान और व्याकरण दर्शन, हिंदुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद।
6. कामता प्रसाद गुरु (2018) हिंदी व्याकरण, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. के०के० सुखिया, हिंदी ध्वनियां और उसका शिक्षण, रामनारायण लाल, इलाहाबाद।
8. के०क्षत्रिया, मातृभाषा शिक्षण, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
9. कौशिक, जय नारायण, हिंदी शिक्षण, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।
10. गरिमा श्रीवास्तव, भाषा और भाषा विज्ञान, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली।

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

बी॰ए॰ अष्टम सेमेस्टर (Honours)

प्रश्नपत्र - परियोजना कार्य (Project Work/Academic Project) (BA805)

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 05

1. गढ़वाली लोक साहित्य :

- प्रमुख साहित्यकारों का साहित्यिक योगदान।
- स्थानीय बोली एवं भाषा का संग्रहण।
- लोकगीत (झोड़ा, चांचरी, थड़िया, मांगल, जागर, बारहमासा) का संकलन।
- लोककथाएं और दंतकथाएं।
- लोकनाट्य एवं नृत्य।
- गढ़वाली कहावतें और लोकोक्तियां।
- धार्मिक एवं सामाजिक लोक साहित्य।

2. उपन्यास और कहानी साहित्य :

- सामाजिक यथार्थवाद के कथाकार जैसे– प्रेमचंद, भीष्म साहनी, यशपाल आदि।
- ऐतिहासिक उपन्यास एवं कहानी एवं कथाकार जैसे– हजारी प्रसाद द्विवेदी, वृंदावनलाल वर्मा, चतुरसेन शास्त्री आदि।
- आंचलिक उपन्यास एवं कहानी– फणीश्वरनाथ रेणु, राही मासूम रजा, शैलेष मटियानी, रामदरश मिश्र आदि।
- मनोवैज्ञानिक कहानी एवं उपन्यास– जैनेंद्र, इलाचंद्र जोशी, अज्ञेय आदि।
- नई कहानी/नया उपन्यास– मोहन राकेश, कमलेश्वर, राजेंद्र यादव।
- साठोत्तर कहानी एवं उपन्यास– श्रीलाल शुक्ल, मन्नू भंडारी, कृष्णा सोबती आदि।
- दलित, स्त्री, आदिवासी, पर्यावरण विमर्श संबंधी कहानी एवं उपन्यास साहित्य।

3. कविता साहित्य :

- आदिकालीन साहित्य।
- भक्तिकाल– कबीर, सूर, तुलसी, मीरा, जायसी आदि।
- रीतिकाल– भूषण, बिहारी, घनानंद, पद्माकर आदि।
- आधुनिक काल– भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, छायावादोत्तर काव्य, समकालीन कविता।

4. नाटक साहित्य :

- भारतेंदु एवं द्विवेदी युगीन नाटक।
- ऐतिहासिक नाटक, राष्ट्रीय– सांस्कृतिक नाटक– प्रसाद, उदयशंकर भट्ट आदि।
- समस्या नाटक– उपेंद्रनाथ अश्क, लक्ष्मीनारायण मिश्र आदि।
- नवनाट्य लेखन– मोहन राकेश, जगदीश चंद्र माथुर आदि।
- समकालीन नाट्य साहित्य।

5. पत्रकारिता एवं भाषा अध्ययन :

- हिंदी पत्रकारिता– उद्भव एवं विकास।
- आधुनिक हिंदी पत्रकारिता– सामाजिक सरोकार।
- सोशल मीडिया एवं हिंदी पत्रकारिता।
- हिंदी का अनुवाद साहित्य।

6. समाज एवं संस्कृति संबंधी विषय :

- हिंदी साहित्य एवं स्वाधीनता आंदोलन।
- दलित, स्त्री, आदिवासी एवं अन्य हाशिए के समुदायों संबंधी प्रश्न।
- हिंदी साहित्य में महिला लेखन।
- हिंदी साहित्य एवं पर्यावरण चेतना।

परियोजना कार्य की संरचना –

1. शीर्षक पृष्ठ
2. प्रमाण पत्र
3. आभार
4. सारांश
5. विषय की भूमिका
6. साहित्य समीक्षा
7. शोध पद्धति
8. विश्लेषण और चर्चा
9. निष्कर्ष और सुझाव
10. संदर्भ सूची

नोट – उक्त पाठ्यक्रम में से विद्यार्थी किसी भी इकाई से साहित्यकार, साहित्यिक प्रवृत्ति, दृष्टिकोण आदि से संबंधित परियोजना कार्य तैयार कर सकते हैं।

बी॰ए॰ अष्टम सेमेस्टर (Honours)

प्रश्नपत्र - हिंदी साहित्य की वैचारिकी (BA806)

पूर्णांक – 100 (70+30)
क्रेडिट – 04

इकाई-1

- विचारधारा और साहित्य।
- मध्ययुगीन बोध।
- भक्ति आंदोलन।

इकाई-2

- भक्तिकाल की सामाजिक परिस्थिति।
- पुनर्जागरण और भारतेंदु युग का काव्य।
- द्विवेदी युग और लोक जागरण।

इकाई-3

- गांधीवाद (सत्य, अहिंसा और स्वराज)।
- राष्ट्रीय स्वातंत्र्य आंदोलन।
- समाजवाद।

इकाई-4

- दलित चेतना।
- स्त्री–विमर्श।
- आंचलिकता और महानगरीय बोध।

संदर्भ ग्रंथ

1. संस्कृति के चार अध्याय – रामधारी सिंह दिनकर।
2. हिंदी साहित्य की भूमिका – डॉ॰ हजारी प्रसाद द्विवेदी।
3. भक्ति काव्य की भूमिका – डॉ॰ प्रेमशंकर।
4. आज का दलित साहित्य – तेज सिंह।
5. मध्यकालीन बोध स्वरूप – डॉ॰ हजारी प्रसाद द्विवेदी।
6. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र – शरणकुमार लिंबाले।

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

Course Outcomes

हिंदी साहित्य की वैचारिकी

1. साहित्य के परिवेश और वैचारिकी की विस्तृत जानकारी प्राप्त होगी।
2. लेखक, रचना और पाठक के परिप्रेक्ष्य में आलोचनात्मक चिंतन विकसित होगा।
3. साहित्य जगत के समक्ष उत्पन्न होती चुनौतियों और नवीन संभावनाओं की समझ उत्पन्न होगी।
4. परिणामतः दशा और दिशा की समझ विद्यार्थी में आलोचनात्मक चिंतन को गहराई प्रदान करेगा।

Amit Sharma Rohit Kumar

29/8/2025

प्रो. गुड़डी बिष्ट पंवार,
संयोजक एवं विभागाध्यक्षा – हिन्दी विभाग
हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल (केंद्रीय) विश्वविद्यालय,
श्रीनगर गढ़वाल, उत्तराखंड–246174

प्रो0 गुड्डी बिष्ट
संयोजक एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
हे0न0ब0ग0 केन्द्रीय वि0 वि0 श्रीनगर (ग0)